Central University of Harvana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Public Lecture on Working of Haryana Human Rights Commission

Newspaper: Dainik Jagran

Date: 16-02-2022

आयोजन

हकेंदि में मंगलवार को आजादी का अमुत महोत्सव अभियान के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया

जीवन के लिए महत्वपूर्णः जस्टिस सतीश मित्तल છ नवा मानव C

संवाद सहवोगी, महेंद्रगढः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि)में मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजन किया। हरियाणा का मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर आधारित इस व्याख्यान को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने कों। इस अवसर पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कुलसचिव कुलदीप जैन भी उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित इस व्याख्यान को संबोधित करते हए जस्टिस सतीश कमार मित्तल ने कहा कि मनष्य योनि में जन्म लेने के साथ मिलने वाला प्रत्येक अधिकार मानवाधिकार की श्रेणी में आता है। वे ऐसे अधिकार संगत होने के साथ मानव हित में

हैं जो सीधे प्रकृति से संबंध रखते हैं जैसे जीने का अधिकार केवल कानन सम्मत अधिकार नहीं है बल्कि इसे प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया है। जस्टिस मित्तल ने कहा कि मानव अधिकारों में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के समक्ष समानता का अधिकार एवं शिक्षा का अधिकार आदि नागरिक और राजनैतिक अधिकार भी सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों एवं मुल अधिकारों के बीच शरीर और आत्मा का सम्बन्ध है। भारतीय संविधान के साथ-साथ मानव अधिकार अधिनियम में न सिर्फ मानवाधिकारों की गारंटी दी गई है बल्कि इसका उल्लंघन करने पर सजा का भी प्रावधान किया गया है। भारतीय संविधान का उद्धेप्य एक ऐसे समाज की स्थापना करना है जो विधि



भी हो। जस्टिस मित्तल ने हरियाणा मानव अधिकार आयोग को प्रणाली को भी विस्तार से समझाया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को भी उनसे जुड़े विभिन्न अधिकारों की जानकारी दें तथा आयोग के द्वारा उठाए गए कुछ सार्थक कदमों से भी अवगत कराया। व्याख्यान के बाद जस्टिस सतीश कुमार मिलल ने सवाल-जवाब सत्र के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं का हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने

हकेंवि में जस्टिस एसके मिलल को स्मृति चिंह भेंट करती प्रो . सुनीता श्रीवास्तव 👁 सौ. हकेंवि भी समाधान किया। विश्वविद्यालय कलपति प्रो. टॅकेश्वर कमार ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे संविधान ने हमें समता व शिक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, जो हमें गर्वे से जीने की प्रेरणा देते

विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु विष्क्वविद्यालय में प्री-लिटिगेशन सेल बनाने की घोषणा की, जिसमें विश्वविद्यालय से संबंधित मामले को लेकर कोई भी सहभागी सीधा कलपति महोदय की अध्यक्षता वाले इस सेल में आउटसाइट कोर्ट सेटलमेंट करा पाने में सक्षम होंगे। इससे पूर्व विश्वविद्यालय की

कलसचिव व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने जस्टिस सतीश कमार मित्तल को स्मृति चिहन भेंट किया। प्रो. सनीता श्रीवास्तव ने मानवाधिकारों को प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रतिभागियों से साझा किए। मुख्य वक्ता व कुलपति का परिचय दा. प्रदीप सिंह ने दिया। मैंच का संचालन डा. रेनु बादव ने किंबा तथा धन्यवाद जापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनन्द शर्मा ने प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक . सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता. विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

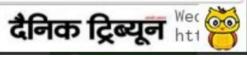
NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune

Date: 16-02-2022

'मानवाधिकार मानव जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण' महेन्द्रगढ, १५ फरवरी (निस) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ ने मंगलवार को विशेषज व्याख्यान का आयोजन हरियाणा किया। मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर आधारित इस व्याख्यान को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस सतीश कुमार मित्तल ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की अध्क्षता विश्वविद्यालय के कलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कुलसचिव कुलदीप जैन भी उपस्थित रहे। जस्टिस सतीश कमार मित्तल ने कहा कि मानवाधिकार सीधे प्रकृति से सम्बन्ध रखते हैं जैसे जीने का अधिकार केवल कानन सम्मत अधिकार नहीं है बल्कि इसे प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया है। जस्टिस मित्तल ने कहा कि मानव अधिकारों में आर्थिक. सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के समक्ष समानता एवं शिक्षा का अधिकार, नागरिक और राजनैतिक अधिकार भी शामिल हैं।



Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi

Date: 16-02-2022

मानवाधिकार मानव जीवन के लिए महत्वपूर्णः जस्टिस

हरिभूमि न्यूज 🙌 महेंद्वगढ़

हरियाणा केंदीय विश्वविद्यालय ने मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। हरियाणा मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर आधारित इस व्याख्यान को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस सतीश कमार मित्तल ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने की। इस अवसर पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कुलसचिव कुलदीप जैन भी उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव



हमारे संविधान ने हमें समता और शिक्षा जैसे अनेक महत्त्वपूर्ण

अधिकार दिए हैं, जो हमें गर्व से जीने की प्रेरणा देते हैं : कुलपति

शरीर और आत्मा का सम्बन्ध है। भारतीय महेंद्रगढ़। मुख्य अतिथि एवं चेयरमैन सतीश मितल को सम्मानित करते हुए कुलपति टंकेश्वर एवं अन्य।

शरर आस आसा को संगठवार हो गराना मुद्धदाई मुख्य आति एवं वयंसम संताश मिल की सम्मानत करते हुए कुलेपार्थ के येथा न संचिधात के साथ-साथ मागत अधिकार अधिनियम में न सिर्फ मानवाधिकारों को गास्टी दी गई है बल्कि इसका उल्लंघन करने पर रजा का भी प्रत्याग्रा किया कया है। मास्तीय संविधान का उद्देश्य एक ऐसे समाज की स्थापना जरूती है। जीविंग संजात होने के साथ मानव दिनों में हो। जस्टिय मिलल ने हरियाण मानव अधिकार आयो को प्रायली को मी दिस्तार से सम्प्राया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को भी उनसे जुड़े विशिल्ज अधिकारी दो तथा आयोग के द्वारा उठार पर कुछ साथक कदमों से भी अवगत कराया। व्याख्यान के बाद जस्टिरस सतीश चुआर मिलल ने सवाल-जताब सत्र के दौरान प्रतिमाजियों की क्षेक्राओं का भी समाधान किया।

प्रासंगिकता पर प्रतिभागियों से साझा किए विचार

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने कर्त्तव्यों एवं अधिकारो की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे जवन योगजा हुने जानायजार का जानायजार का लाग वार्यु किया कि का कि संविधान के दूस जाना व शिक्षा जैसे अतेक महत्वपूर्ण अधिकार दिए हैं, जो हमे गर्व से जीने की प्रेरणा देते हैं। विश्वविद्यालय के कुरापति ने विश्वविद्यालय के सभी सहमागियों के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु विश्वविद्यालय में प्री-लिटिनेशन सेल् सरमागियों के मानवाधिकारों की रक्षा हेतू विश्वविद्यालय में पी-लिटिगेखन सेल खनाने की घोषणा की, जिस्से विश्वविद्यालय से संबंधित मामले को लेकर कोई भी सरमागी सौध कुरुपाती महोदय की अध्यक्षता वाले इस सेल में आउटसाइड कोर्ट सेटलांनेट करा पाने में सड़ाम होगे। इससे पूर्व विश्वविद्यालय की कुरुस्तरिव व आजादी का अमृत महोरस्थ की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वानत भाषण प्रसुत किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने जस्टिन्स संतीप कुमार मिलत को स्मृति विद्वन मेंट किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने जसिटन्स संतीप कुमार मिलत को स्मृति विद्वन मेंट किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मानवाधिकारों की प्रासंगितमता पर अपने विचार प्रतिभागियों से साम्ना किए। मुख्य वत्तता व कुलपति का परिषय डॉ. प्रूवीप सिंह ने विया। कार्यक्रम में मंच का संवालन डॉ. रंजू यादव ने किया तथा धन्यवाद ब्लापन छात्र करिपाला प्रो. खिलेश, प्रतेश्वा नियांत्रक प्रो. राजीव कौशिक अतरार पर शैक्षणिक अधिकराता प्रो. खीलरिका प्रो. खीलरात की प्रासक्रिया हम सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।